कारोबार-व्यापार में टक्कर दे रहे छोटे जिले

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। कारोबार और व्यापार में पिछड़े माने जाने वाले जिले बड़े शहरों को टक्कर देने लगे हैं। वस्तु एवं सेवाकर विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के 30 छोटे जिलों में कारोबार की सालाना विकास सबसे तेज रही है। इन जिलों में हो रहे बदलाव में उद्यमशीलता और स्वरोजगार बड़ा कारक बनकर उभरे हैं।

यूपी में छोटे जिलों में कारोबार ने बड़ी रफ्तार भरी है। इसी का नतीजा है कि अमेठी, संभल, शामली, हमीरपुर व गोंडा जैसे छोटे जिलों ने भी जीएसटी संग्रह की ग्रोथ में शीर्ष दस जिलों में जगह बनाई है। कानपुर, लखनऊ, गाजियाबाद जैसे कारोबारी केंद्र के शहरों की तुलना में छोटे जिलों ने तेज ग्रोथ हासिल की है। छोटे जिलों में जीएसटी संग्रह में तेजी समृद्धि का संकेत है।

साफ है कि यहां भी छोटी मंडियां और थोक बाजार तेजी से विकसित हो रहे हैं। उद्योगों की स्थापना में तुलनात्मक रूप से तेजी आई है। बैंक सखियों, विद्युत सखियों और

जीएसटी ग्रोथ में प्रदेश की टॉप-10 फेहरिस्त में सभी छोटे जिले

छोटी मंडियां और थोक बाजार हो रहे हैं तेजी से विकसित

बैंक मित्रों के रूप में रोजगार का नया व मजबूत तंत्र विकसित हुआ है।

निर्धन परिवारों की महिलाओं की आय में बढ़ोतरी आने से जीवन स्तर बढ़ा है। इससे उनकी खरीद क्षमता बढ़ी है। सुगम जीवन के लिए उत्पादों की खरीद बढ़ने स्थानीय स्तर पर मांग बढ़ी और स्थानीय लोगों ने ही दुकान व फर्म खोली।

इसमें एक्सप्रेसवे की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जितने भी जिले एक्सप्रेसवे और राजमार्गों के करीब हैं, वहां व्यापार और उद्यम तेजी से पनपा है। ऐसे करीब 30 जिलों में जीएसटी संग्रह पिछले पांच वर्ष की तुलना में दोगुना से ज्यादा हुआ है।

जीएसटी संग्रह में वृद्धि के मामले में प्रदेश के टॉप-10 जिले

जिला	जीएसटी संग्रह	विकास दर
अमेठी	289.65 करोड़	95.06 फीसदी
हमीरपुर	173.03 करोड़	88.12 फीसदी
रामपुर	126.73 करोड़	66.31 फीसदी
शामली	131.72 करोड़	57.91 फीसदी
सुल्तानपुर	139.79 करोड़	49.36 फीसदी
हापुड़	289.55 करोड़	45.80 फीसदी
औरैया	251.08 करोड़	43.82 फीसदी
अमरोहा	116.57 करोड़	42.36 फीसदी
गोंडा	134.17 करोड़	40.41 फीसदी
संभल	98.58 करोड़	39.39 फीसदी

जीएसटी ग्रोथ के मामले में बड़े जिलों की स्थिति

जिला	जीएसटी संग्रह	विकास दर
गोरखपुर	1,586.19 करोड़	17.76 फीसदी
लखनऊ	15,053.12 करोड़	16.81 फीसदी
प्रयागराज	1,997.38 करोड़	16.75 फीसदी
वाराणसी	2,015.29 करोड़	14.32 करोड़
गौतमबुद्धनगर	8,540.62 करोड़	8.3 फीसदी
गाजियाबाद	9,379.43 करोड़	8.67 फीसदी
कानपुर नगर	5,323.62 करोड़	3.93 फीसदी

(नोट- जीएसटी संग्रह रुपये में)